वुडी और घड़ियाँ

एलिजाबेथ बी.

वुडी कोई साधारण लड़का नहीं है. अपने जन्मदिन पर खिलौने माँगने के बजाए वो घड़ियाँ माँगता है. डाक टिकट, बोतल ढक्कन या सिक्के इकट्ठा करने के बजाए वुडी सपने इकठ्ठा करता है. अंत में वुडी एक पेड़ बनाने का फैसला करता है.

वुडी और घड़ियाँ

एलिजाबेथ बी.

वुडी और घड़ियाँ

सपने इकट्ठा करने वाला

कोई अच्छा काम

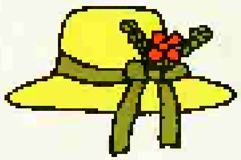

वुडी का पेड़

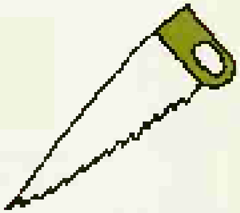

वुडी और घड़ियाँ

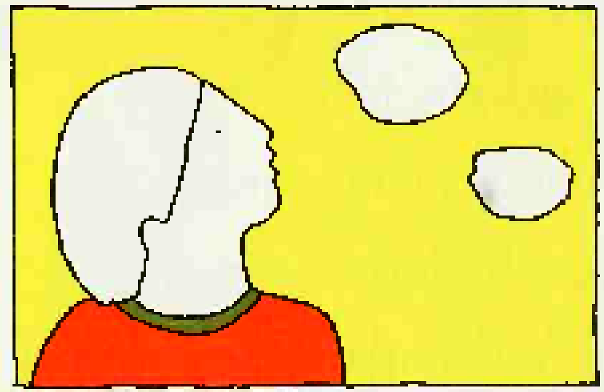

वुडी ने अपनी बिल्ली मफिन को बताया कि वो अपने जन्मदिन के लिए एक घड़ी चाहता था.

“मैं बादलों को देखना चाहता हूं तीन बज कर छह मिनट पर.

मैं एक गुलाब तोड़ना चाहता हूं ठीक दो तीस पर."

वो यह नहीं जानता था कि उसकी इच्छा पहले से ही कई लोगों को पता थी.

जन्मदिन के मौके पर फर्न ने वुडी को एक सूर्य-घड़ी दी. उसने वो अपने यार्ड में रख दी.

"जन्मदिन मुबारक हो!" फर्न ने कहा. "अब तुम सूरज द्वारा समय पता कर सकते हो."

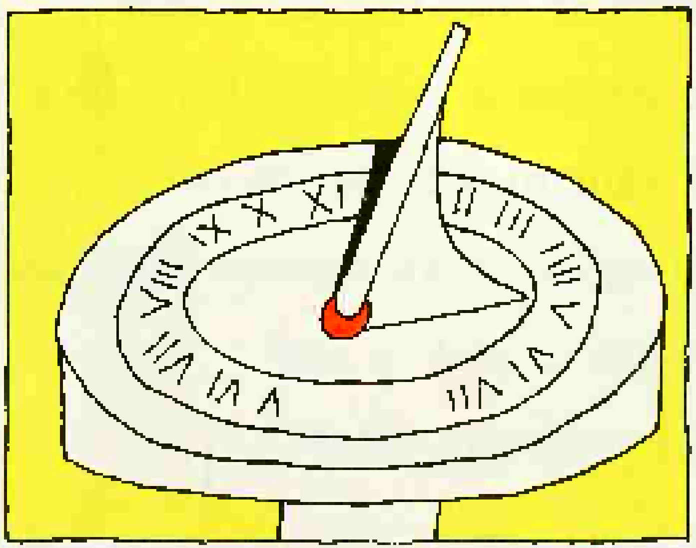

वुडी दुनिया का सबसे खुश लड़का था. वो अपनी सूर्य-घड़ी के चारों ओर नाचा.

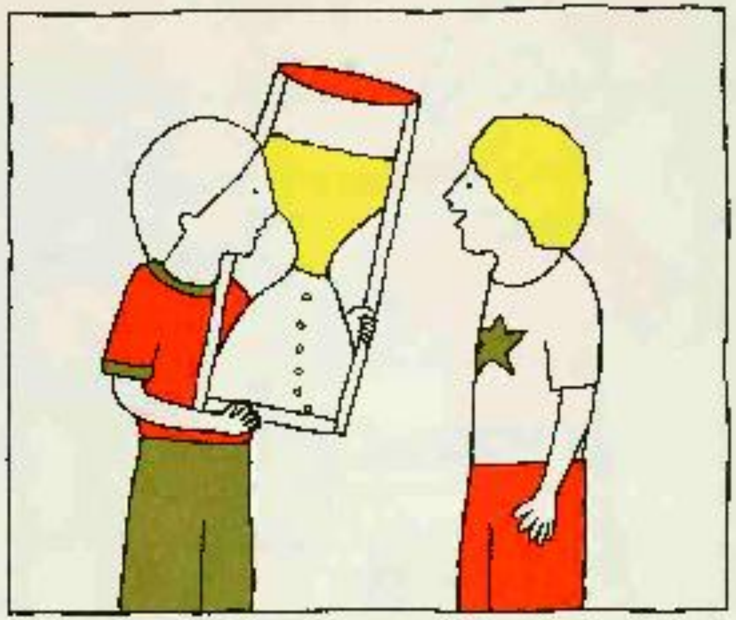

फारेस्ट उसके लिए एक रेत-घड़ी लेकर आया.

"देखो," उसने कहा. "जब तुम इसे पलटोगे तब रेत तुम्हें समय बताएगी. पूरी रेत को नीचे गिरने में एक घंटे का समय लगेगा."

"बहुत धन्यवाद," वुडी ने कहा.

फिर वुडी की मां ने उसे एक पैकेट दिया.

"मुझे आशा है कि यह तुम्हें पसंद आएगा," उन्होंने कहा.

वो एक घड़ी थी.

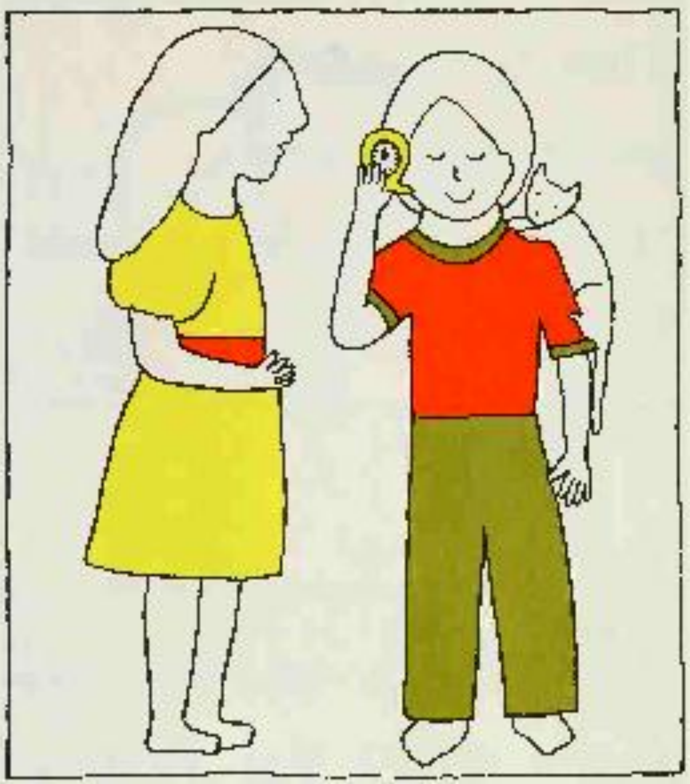

"मैं भी तुम्हारे लिए एक भेंट लाई हूं," वुडी की बहन रोजी ने कहा.

वो एक अलार्म घड़ी थी जिसे रोजी ने अपने पैसों से खरीदा था.

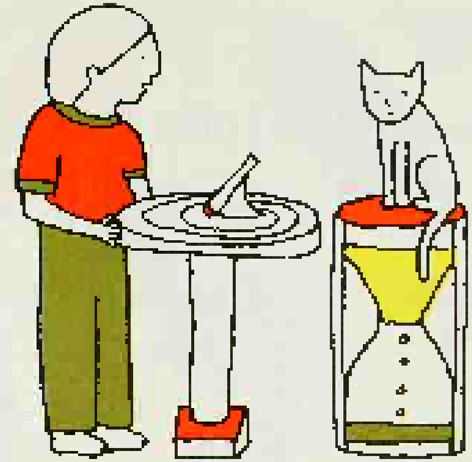

वुडी ने अपनी सूर्य-घड़ी को देखा और अपनी रेत-घड़ी को पलटा.

उसने अपनी घड़ी की शांत टिक-टिक सुनी और हर बीस मिनट में अपनी अलार्म घड़ी बजाई.

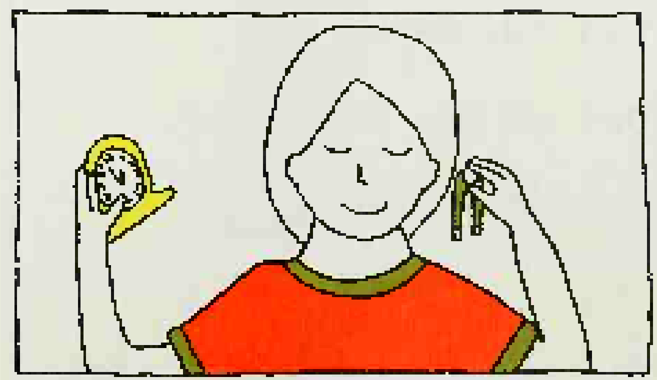

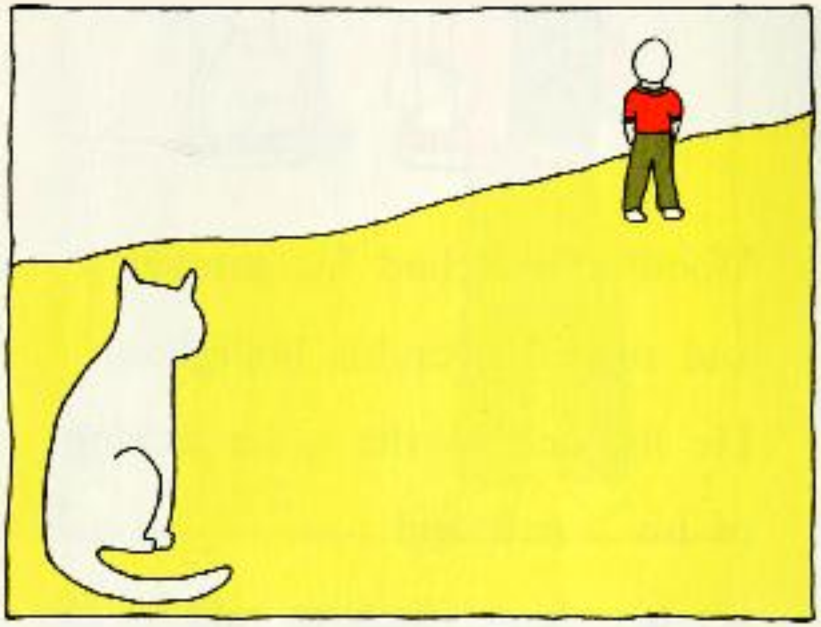

मफिन वुडी के साथ खेलना चाहता था. पर उसकी बिल्ली को घड़ियां पसंद नहीं थीं.

लेकिन अब वुडी अपनी बिल्ली के बारे में सब कुछ भूल गया था. वो बहुत व्यस्त था. उसने अपनी घड़ी पहनी और टहलने निकल पड़ा.

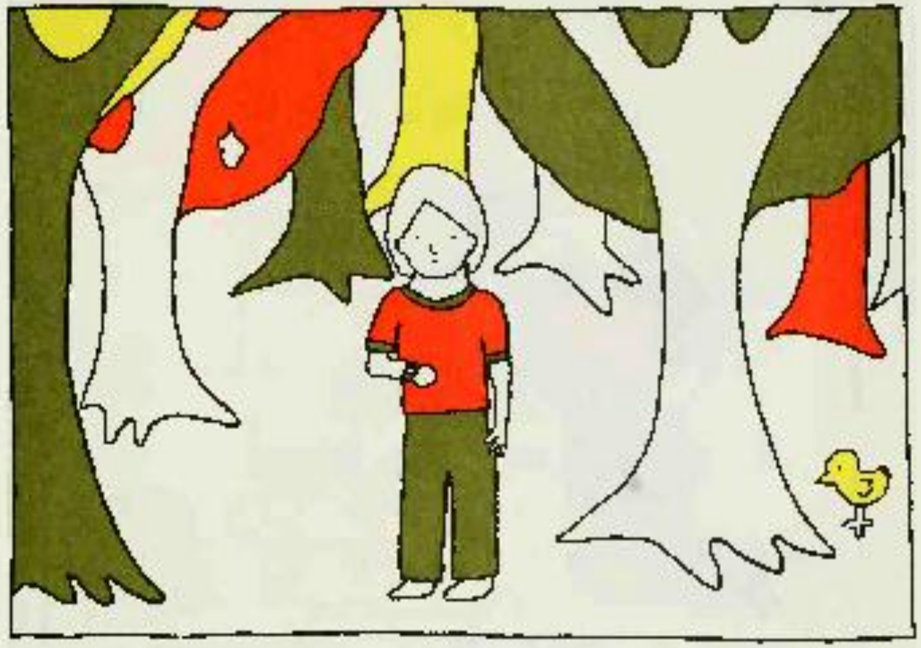

उसने पेड़ के पत्ते को एक चालीस पर गिरते हुए देखा, और दो बारह पर एक तितली देखी.

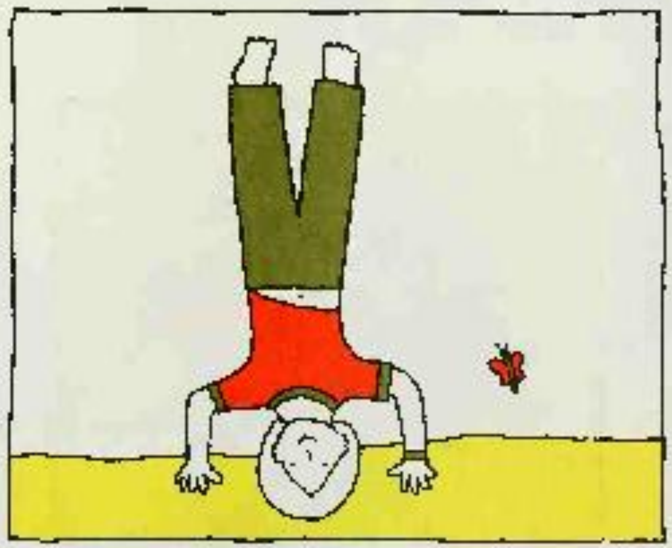

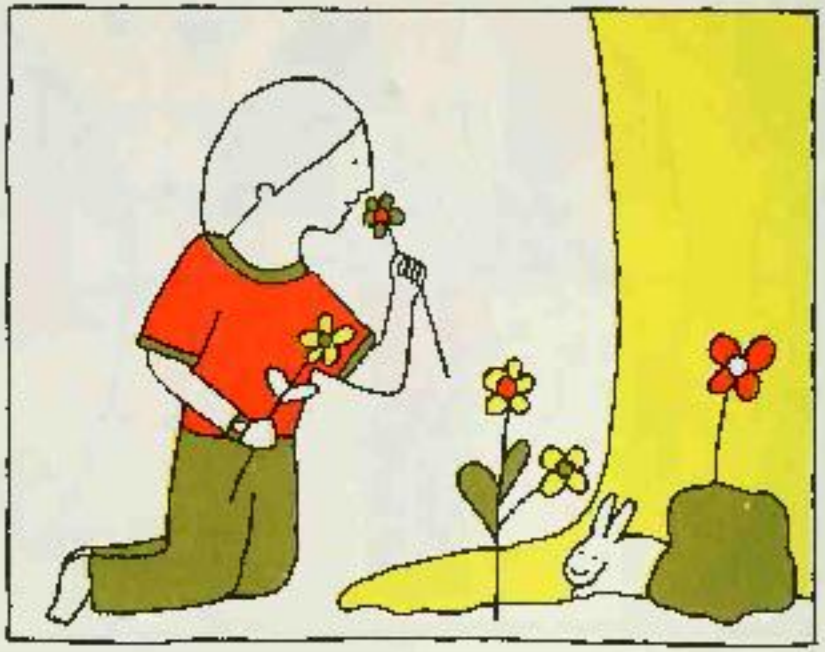

उसने तीन बजने में पांच मिनट एक फूल सूंघा और चार बजकर दस मिनट पर अपने घुटने को खरोंचा.

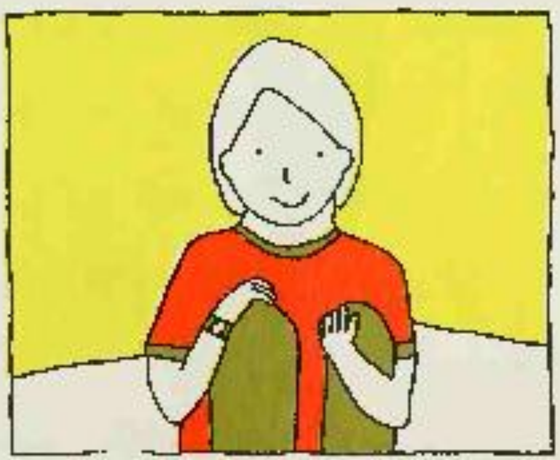

जब वह घर वापिस लौटा तो मफिन को खिलाने का समय हो गया था. वुडी की सभी घड़ियों ने उससे वही कहा. उसने हर जगह देखा लेकिन उसे अपनी बिल्ली कहीं नहीं मिली. छह पंद्रह पर मफिन घर में नहीं थी. वो आठ बजकर दस मिनट और दस बजने में पांच मिनट पर भी घर पर नहीं थी.

अलार्म घड़ी ज़ोर से बजी. उसने वुडी को बताया कि मफिन गायब थी. रेत-घडी में से रेत धीरे-धीरे नीचे गिरती रही. लेकिन मफिन घर नहीं आई. वुडी ने उसका बहुत इंतजार किया.

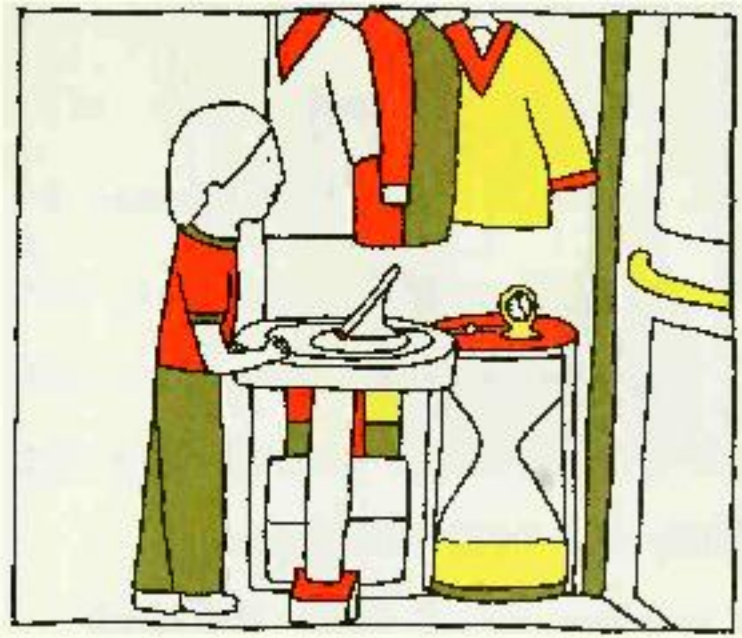

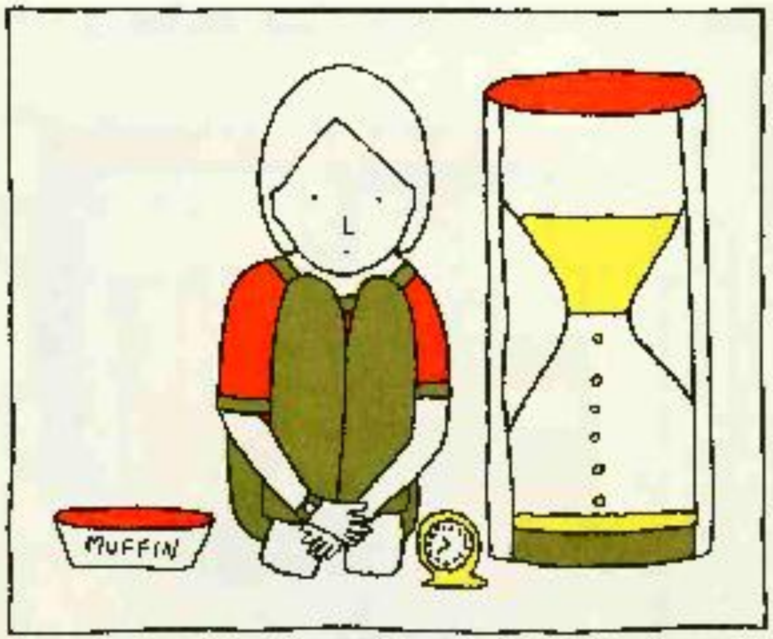

अंत में वुडी ने अपनी सारी घड़ियाँ अलमारी में रख दीं. वो मफिन का इंतजार करते हुए टाइम-पास होते हुए नहीं देखना चाहता था.

जब वो बिस्तर में लेटा तो उसे समय का कोई अंदाज़ नहीं था.

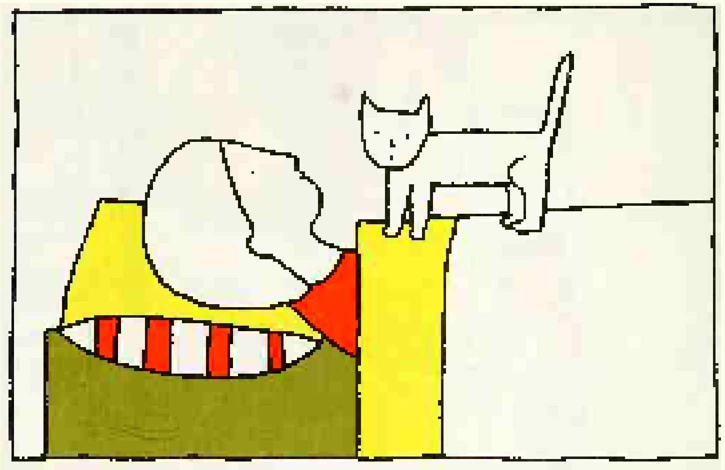

अगली सुबह सुबह एक तेज़ आवाज़ ने वुडी को जगाया. मफिन वापस आ गई थी! वो बहुत भूखी थी.

"तुम कहाँ थीं?" वुडी से पूछा. "क्या तुम्हें पता नहीं कि तुम कितने घंटे, मिनट और सेकंड गायब थीं?"

"चलो, कोई बात नहीं," वुडी ने कहा.

"उससे क्या फर्क पड़ता हैं कि तुम कितनी देर से गायब थीं. अब तो तुम घर पर हो. और असल में वही मायने रखता है."

सपने इकट्ठे करने वाला

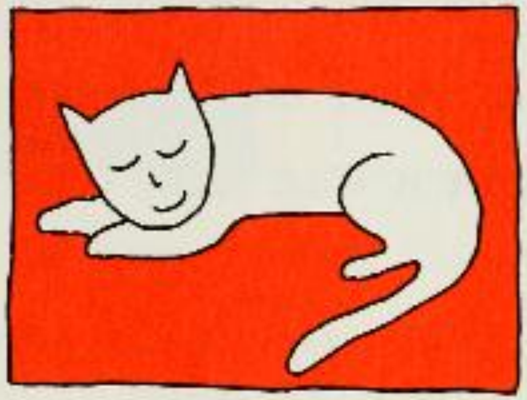

सुबह तक वुडी को एकदम ठीक लग रहा था.

"रात को मैंने एक अद्भुत सपना देखा," उसने मफिन से कहा, जो अभी भी अपने बिस्तर पर लेटी थी.

"मैंने सपना देखा कि मैंने एक जहाज़ में पूरी दुनिया की यात्रा की और हर देश के जानवरों को इकट्ठा किया."

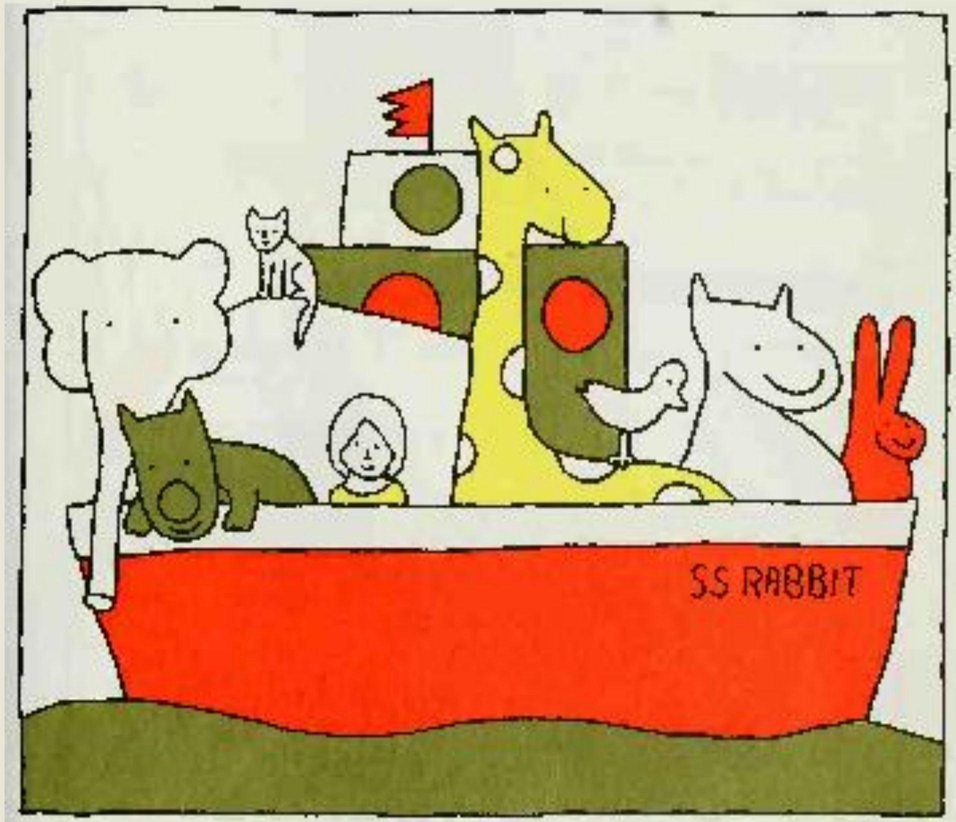

वो इतना अच्छा सपना था कि वुडी ने उसे कागज़ पर लिखा और उसे एक जग में डाल दिया.

फिर वो नाश्ता खाने नीचे गया.

"कल रात मैंने एक अद्भुत सपना देखा," वुडी ने अपनी माँ से कहा.

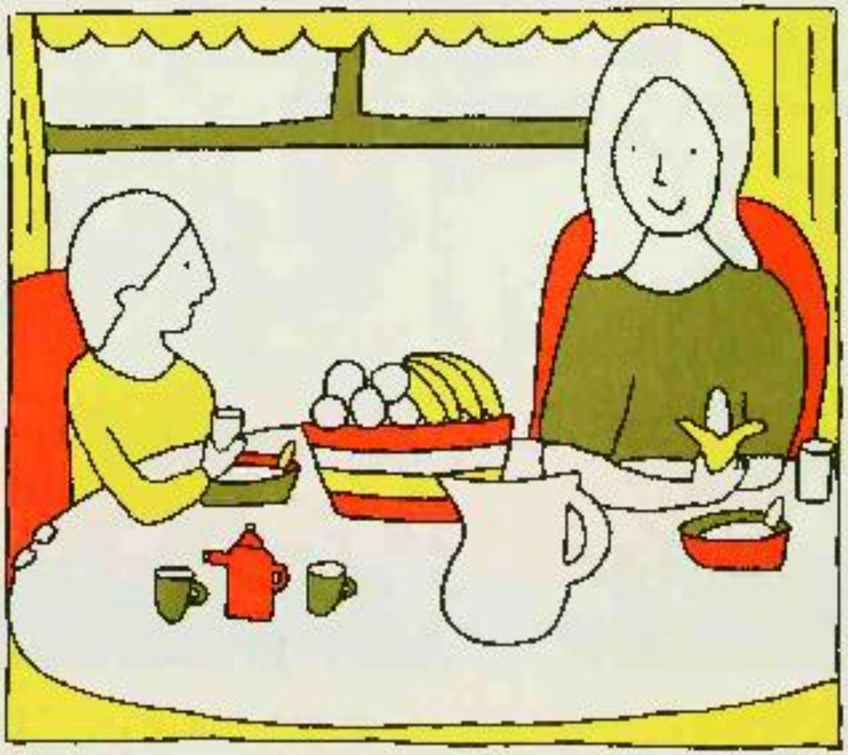

"मैंने भी देखा," माँ ने कहा.

“मैंने सपना में देखा था कि मैं एक जंगल में एक झरने के किनारे चल रही थी. वहां हर जगह फूल उगे थे.”

"क्या मैं आपका सपना ले सकता हूँ?" वुडी ने पूछा,

"क्यों नहीं?" माँ ने कहा.

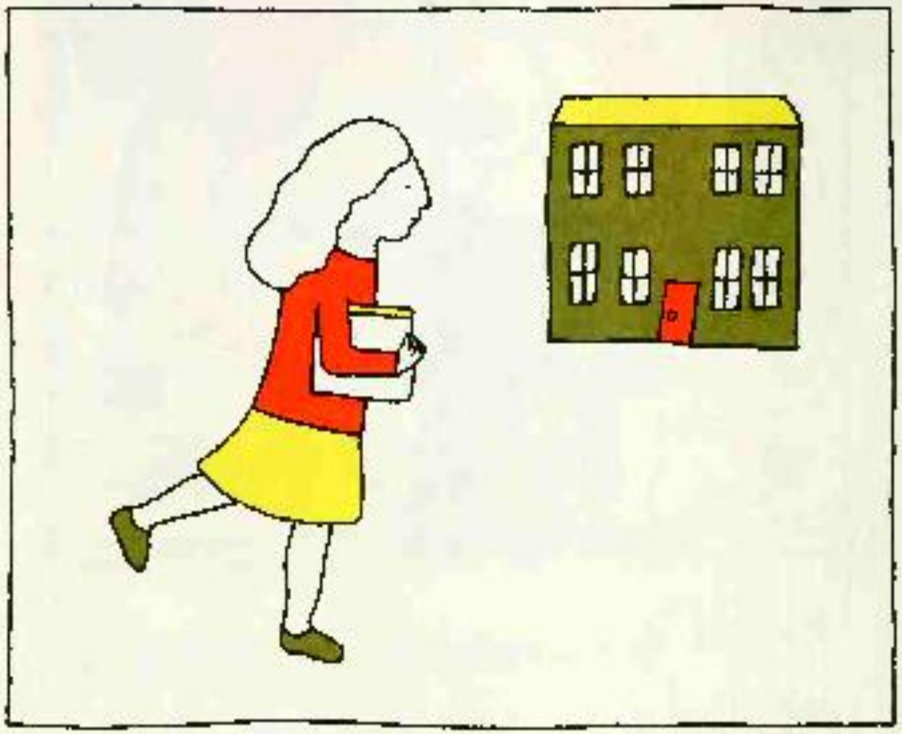

"तुम मेरा भी सपना ले सकते हो," रोजी ने कहा. वो तभी कमरे में घुसी थी.

"मैंने सपना देखा कि मुझे स्कूल जाने में देर हो गई और मैं टेस्ट के लिए अभ्यास करना भी भूल गई."

"धन्यवाद," वुडी ने कहा.

नाश्ते के बाद वुडी ऊपर भागा और उसने बाकी दो सपने भी लिखे.

और इस तरह वुडी ने सपने इकट्ठा करना शुरू किए.

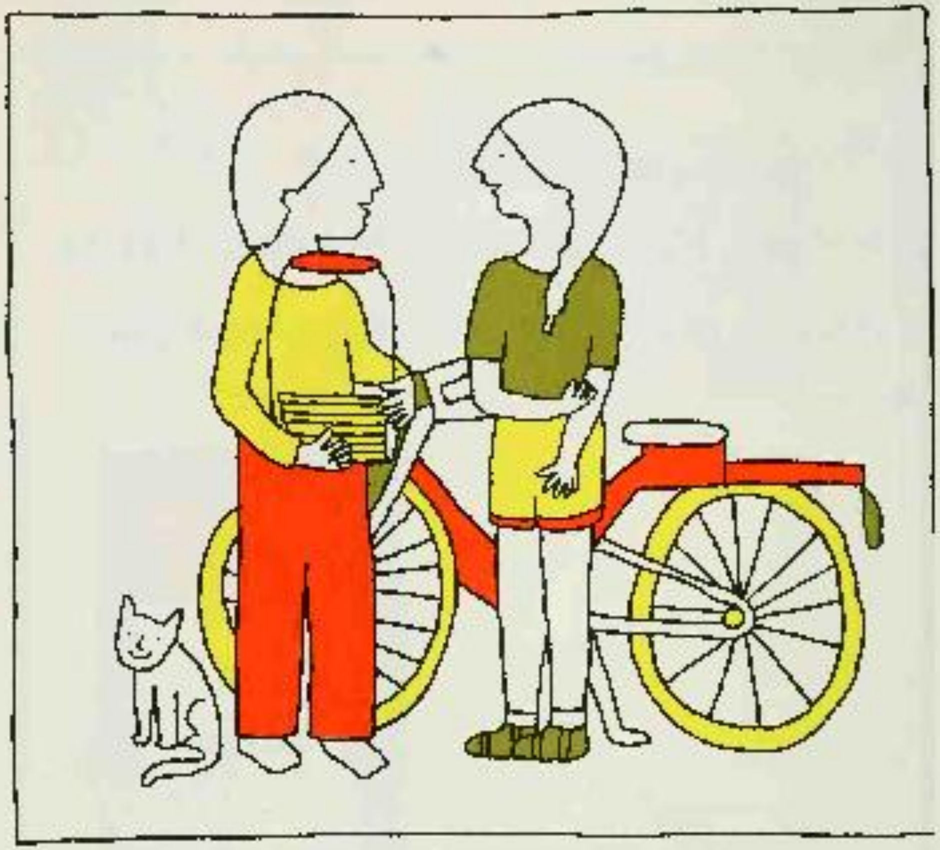

वो हर दिन सपने इकट्ठे करता था.

जब अखबार वाली लड़की घर के सामने गुज़री तो वुडी ने उससे भी एक सपने को जग में डालने को कहा.

जब वह स्टोर में गया, तो उसने वहां भी सपने मांगे.

उसने पार्क की बूढ़ी महिलाओं से पूछा कि क्या उनके पास उसके लिए कोई सपना था.

पक्षियों को दाना खिलाने वाली श्रीमती एप्पल हमेशा एक ही सपना देखती थीं.

"मैंने सपने में देखा कि मैं फिर से युवा बन गई थी," वो हमेशा कहती थीं.

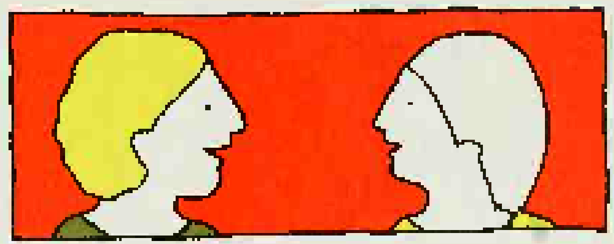

हर कोई वुडी के लिए सपने संजोने लगा.

"मुझे लगता है कि मेरे पास पूरी दुनिया में सपनों का सबसे बड़ा संग्रह है," वुडी ने एक दिन अपने दोस्त फ़ॉरेस्ट से कहा.

"फिर तुम अपने सपनों के संग्रह को स्कूल के हॉबी-शो में क्यों नहीं रखते हो?" फ़ॉरेस्ट ने पूछा.

"क्यों नहीं?" वुडी ने कहा.

इसलिए वुडी ने स्कूल के हॉबी-शो में अपने सपनों के जग को शो-केस किया.

एक मेज़ पर पत्थरों के संग्रह के साथ उसने अपने सपनों के जग को भी रखा.

छह डाक-टिकट संग्रह, दस सिक्के संग्रह, दो पिक्चर कार्ड संग्रह और एक सीप-शंख संग्रह.

वो बहुत ही रोमांचक दिन था

वुडी के सभी दोस्त वहां मौजूद थे, और उसकी माँ और बहन भी आईं थीं.

तीन जज थे जिन्हें विजेता का चयन करना था.

उन्होंने वुडी को पुरस्कार दिया उसकी असामान्य हॉबी के लिए.

वुडी मुस्कुराया और सभी ने ताली बजाई.

उस दिन से वुडी सपने इकट्ठा करने वाले के रूप में जाना जाता है.

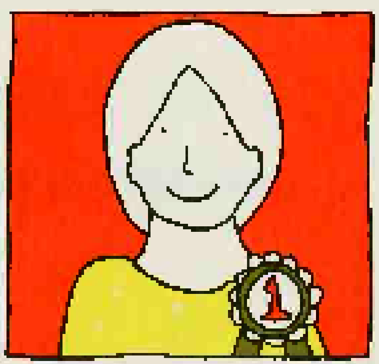

स्कूल में बाकी सभी बच्चों ने भी सपने संजोने शुरू कर दिए, लेकिन वुडी को उससे कोई आपत्ति नहीं थी.

"सभी के लिए पर्याप्त सपने हैं," उसने कहा.

कोई अच्छा काम

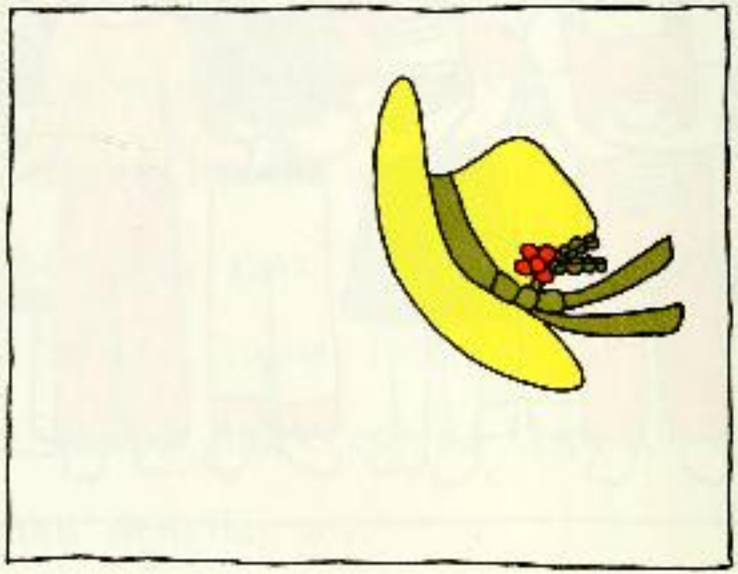

एक दिन जब वुडी गली से नीचे जा रहा था, उसने मिसेज फ्लैग की टोपी को उड़ते हुए देखा.

टोपी इतनी दूर उड़ी कि जब तक वुडी उसे पकड़ पाता, मिसेज फ्लैग वहां से चली गईं.

वुडी, टोपी को मिसेज फ्लैग के घर वापस लेकर गया और उसने उसे उनके बरामदे में छोड़ दिया.

फिर वो एक झाड़ी के पीछे छिप गया. वो मिसेज फ्लैग के बाहर निकलकर टोपी खोजने का इंतज़ार करता रहा.

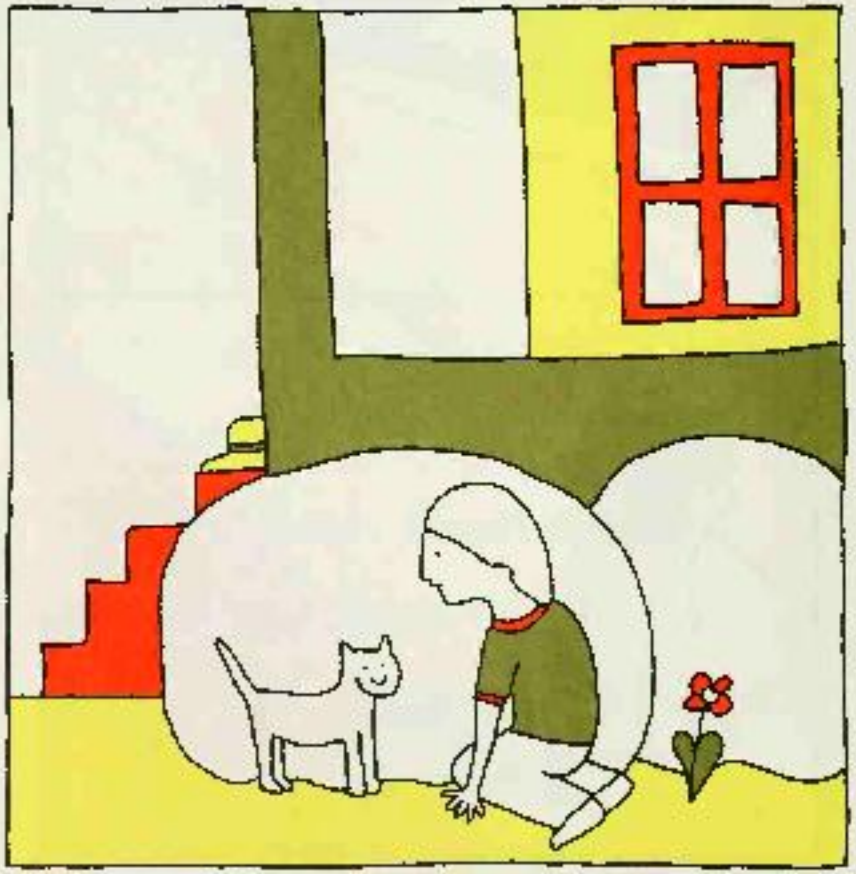

मिसेज फ्लैग टोपी पाकर बड़ी हैरान और खुश हुईं.

वुडी भी बहुत उत्साहित हुआ.

उसने पूरी दोपहर लोगों के लिए गुप्त रूप से कोई अच्छा काम करने का फैसला किया.

लोगों के लिए एहसान करने का काम ढूंढ़ना बहुत मुश्किल नहीं था. जैसे ही उसने मिसेज फ्लैग का घर छोड़ा, उसने मिस्टर स्टीवर्ट के कुत्ता सैम को देखा जिसकी चेन फिर से खुली थी.

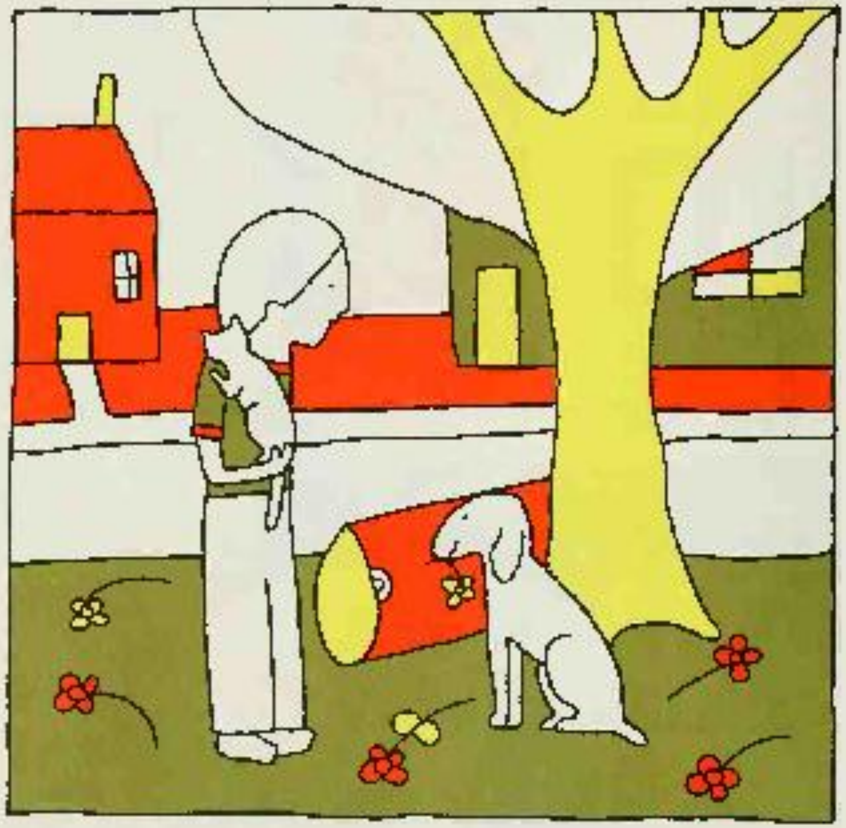

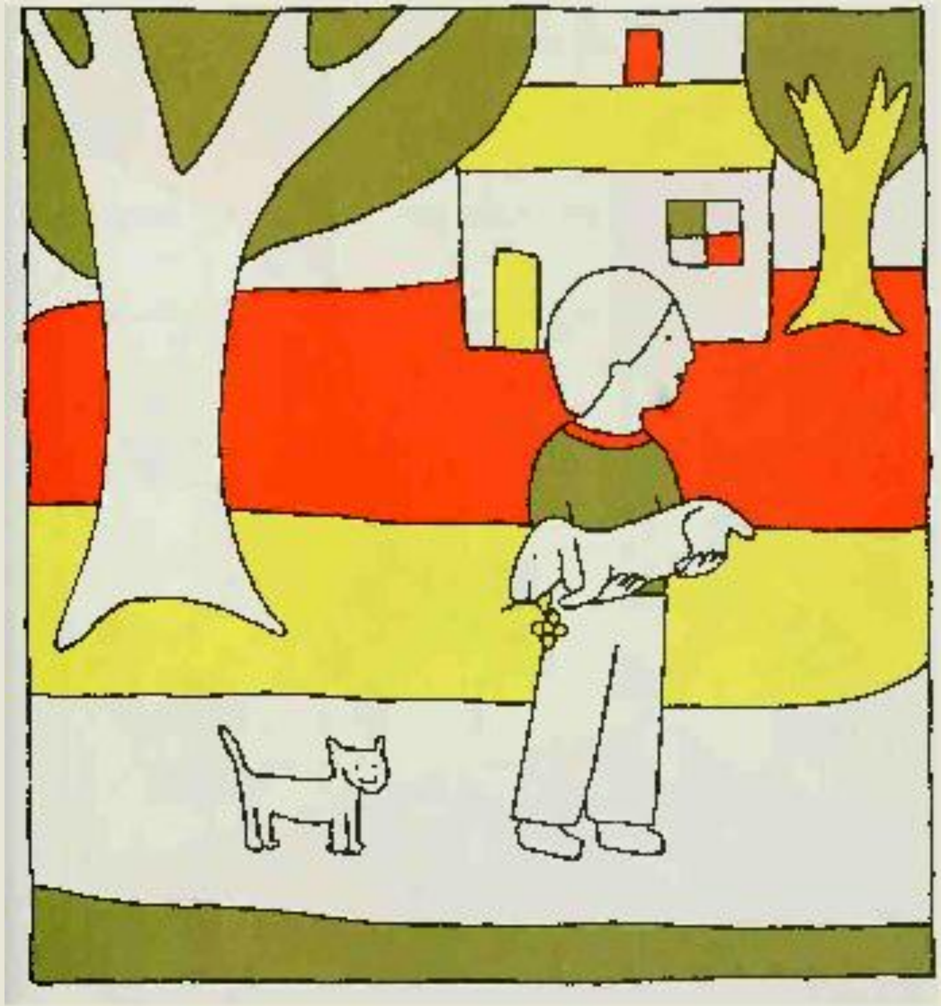

वुडी ने कुत्ते को तुरंत उसके घर पहुँचाया.

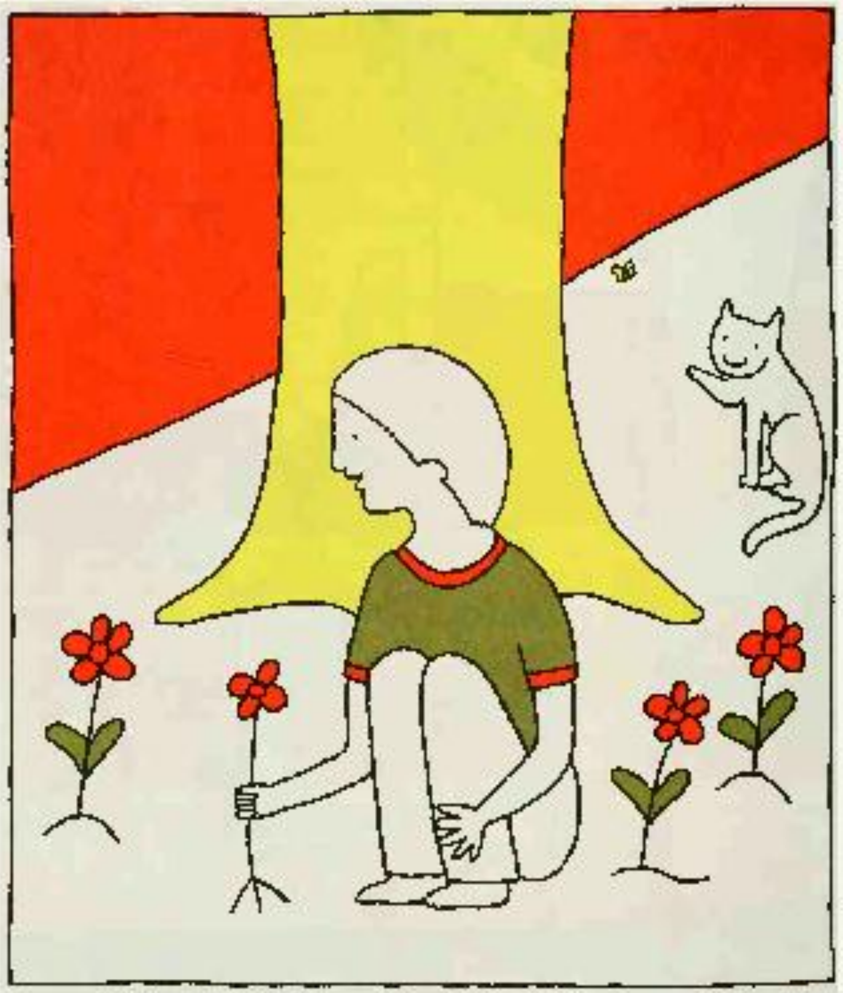

सैम ने कुछ फूल के पौधे खोद डाले थे.
वुडी ने उन पौधों को वापिस लगाया.

उसने एक पुलिसमैन को कार पर फाइन का नोटिस लगाने के लिए जाते हुए देखा. लेकिन उससे पहले ही वुडी ने पार्किंग मीटर में एक सिक्का डाल दिया.

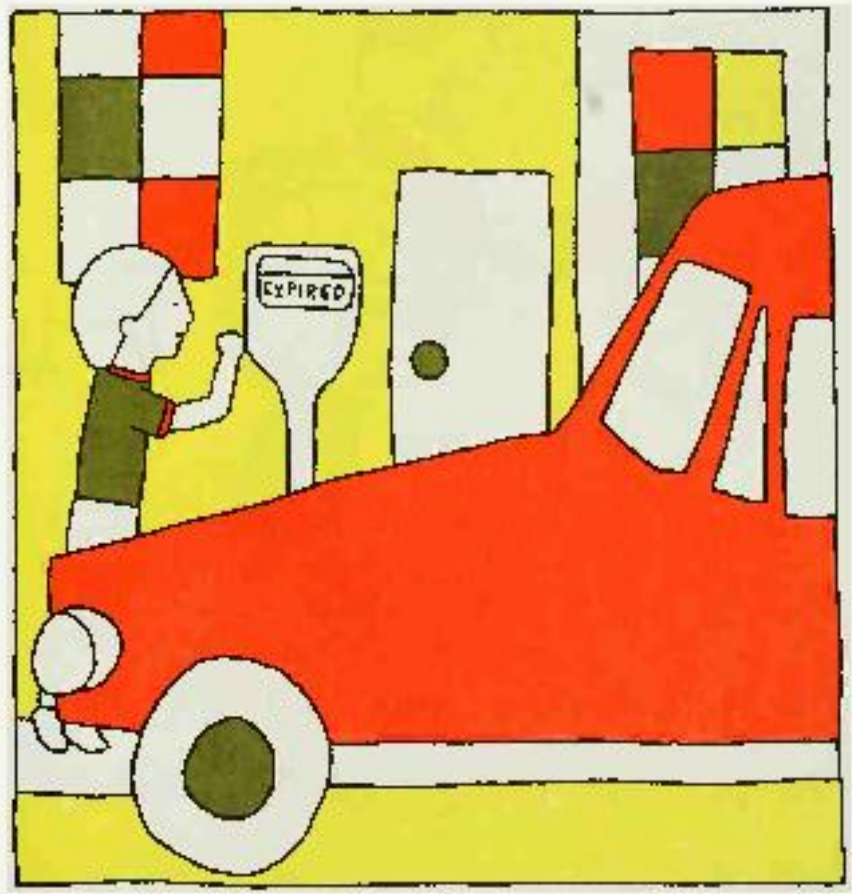

लेकिन कुछ अखबार झाड़ियों और कचरे के डिब्बे में जाकर गिरे.

वुडी ने अखबारों को उठाकर प्रत्येक को लोगों के दरवाजों के सामने रख दिया.

"इसमें तो बड़ा मज़ा है," वुडी ने कहा.

"मैं और क्या कर सकता हूँ?"

जैसे वो खड़ा होकर अचरज कर रहा था वैसे ही अखबार वाली लड़की अपनी साइकिल पर वहां से गुज़री.

लड़की ने हर घर में एक अखबार फेंका.

उसने एक अंधे व्यक्ति की सड़क पार करने में मदद की. इससे पहले कि वो धन्यवाद कहता, वुडी वहां से चला गया.

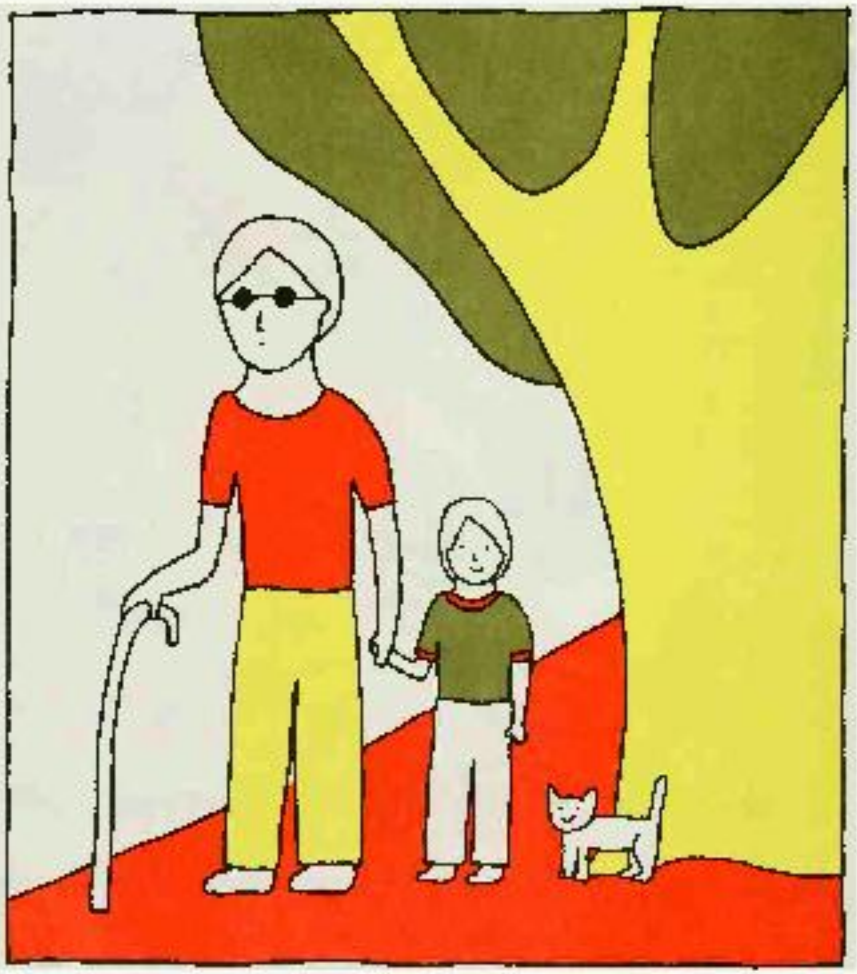

उसने मिस्टर व्हाइट की ड्राइववे से एक वैगन हटाई ताकि टक्कर न लगे.

फिर उसने सामने की सड़क पर से एक रोलर स्केट हटाया.

और फिर वुडी घर गया.

"मैं तुम्हारी तलाश कर रही थी," माँ ने उससे कहा.

"तुम कहां थे?'

"मैं बाहर था," वुडी ने कहा.

"तुम पूरी दोपहर क्या कर रहे थे?"

"मैं व्यस्त था. मेरे लिए आज का दिन लोगों के लिए कुछ अच्छा करने का दिन था," वुडी ने कहा.

"क्या तुमने ही मिसेज़ फ्लैग की टोपी वापस की थी?" माँ ने पूछा.

"वो मैं आपको बता नहीं सकता," वुडी ने कहा.

"वो एक राज है."

वुडी का पेड़

एक दिन वुडी ने एक पेड़ बनाने का फैसला किया.

"तुम पेड़ का निर्माण नहीं कर सकते हो," माँ ने कहा.

“क्यों नहीं?’ ’वुडी ने पूछा.

"हम्म," उसकी माँ ने कहा, "हाँ, क्यों नहीं."

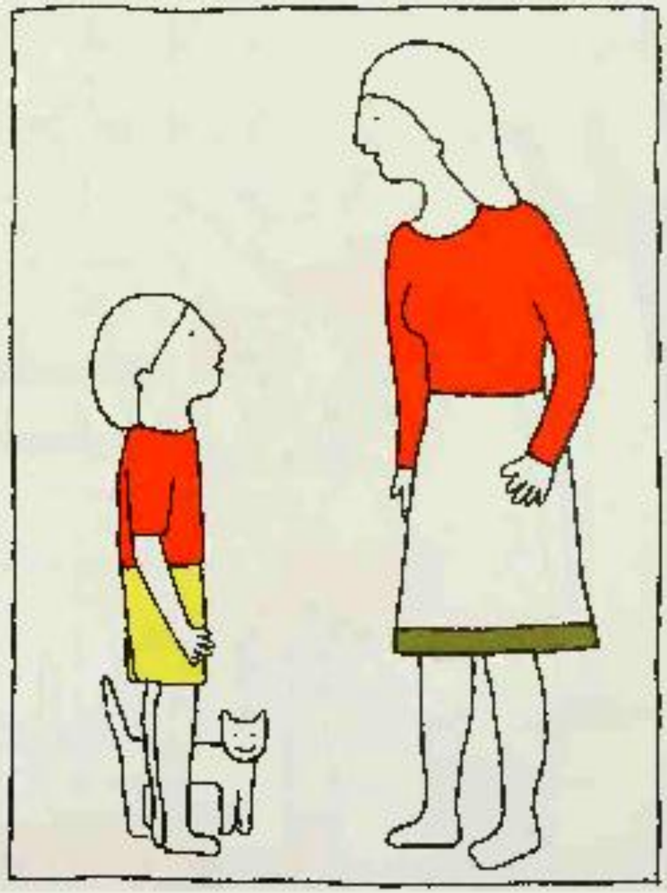

वुडी ने गैरेज में जाकर एक हथौड़ा, एक आरी और कुछ कीलें लीं. फिर वो कुछ लकड़ी खोजने के लिए निकला.

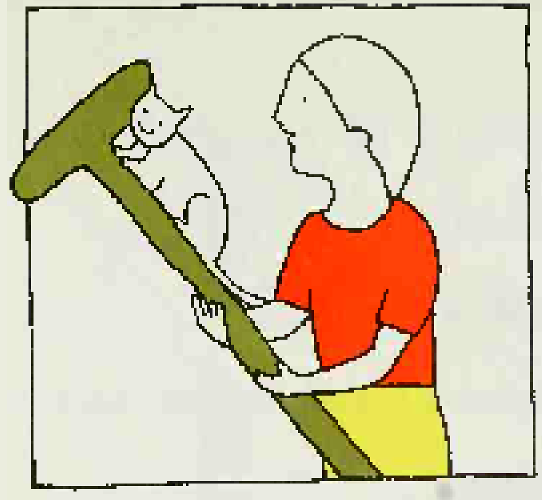

पहले उसे एक लकड़ी के लैम्प का पुराना आधार मिला.

फिर उसे बाड़ के कुछ हिस्से मिले.

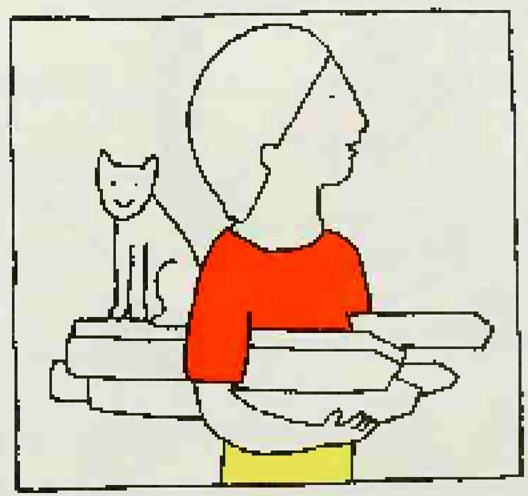

"इनके साथ काम शुरू करना ठीक होगा," वुडी ने कहा.

वो काम करने लगा.

वो पूरी दोपहर आरी से काटता रहा और हथोड़े से कीलें ठोकता रहा.

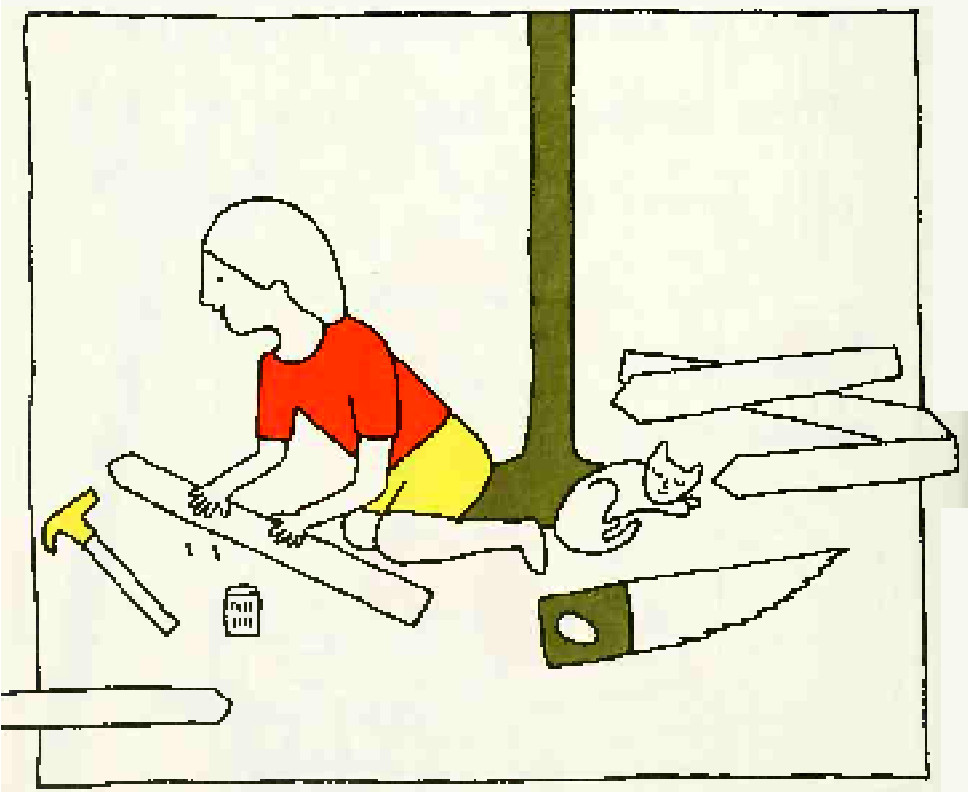

जब पेड़ पूरा हुआ तो वुडी इतना खुश हुआ कि वो नीचे बैठ गया और उसने अपना दोपहर का खाना खाया.

जल्द ही रोजी भी वहां आई.

"वो क्या चीज़ है?" उसने पूछा.

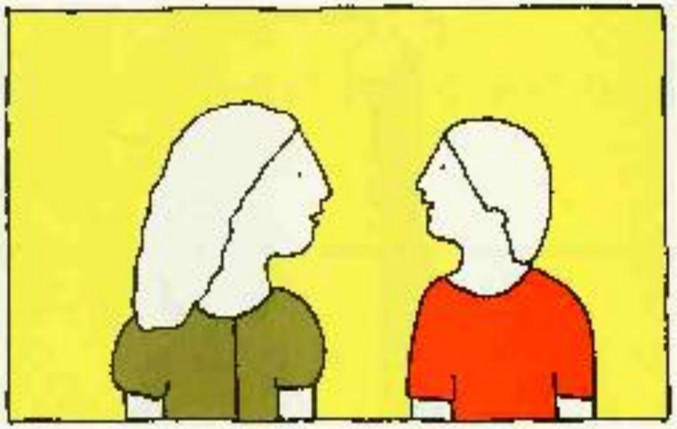

"मेरा पेड़," वुडी ने कहा.

"क्या तुम उसके नीचे बैठना पसंद करोगी?"

"नहीं," उसकी बहन ने कहा. "यह एक पेड़ नहीं है. क्योंकि उसमें कोई पत्तियाँ नहीं हैं."

भोजन के ठीक बाद वुडी ने अपने पेड़ के लिए पत्तियां बनाना शुरू कीं.

उसने पत्तियों को हरे कागज से काटा.

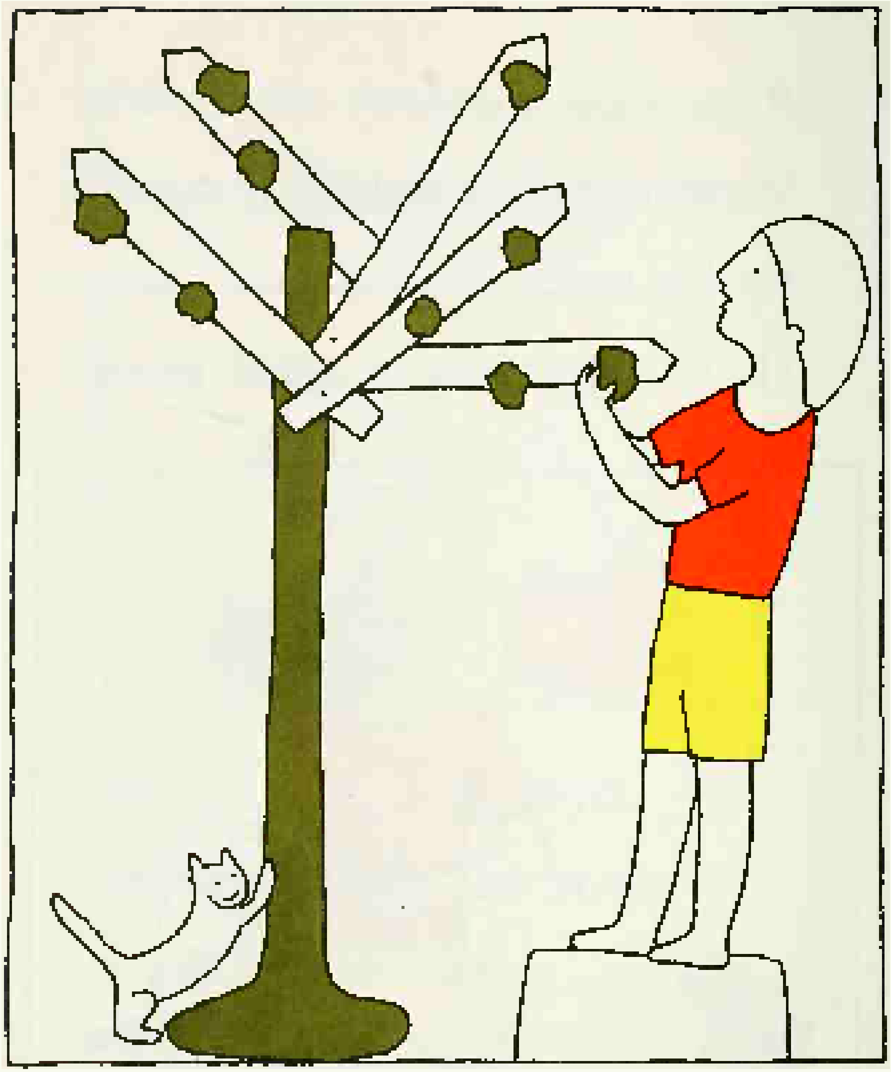

फिर उसने उन सभी पत्तियों को अपने पेड़ पर चिपकाया. पेड़ अब सुंदर लग रहा था.

वो अपने काम को निहार रहा था, तभी उसकी बहन वापस आई.

"अब तुम्हें मेरा पेड़ कैसा लगा?" वुडी ने पूछा.

"वो पेड़ नहीं है," उसकी बहन ने कहा. "उसमें कोई पक्षी नहीं हैं."

"रोजी सही है," वुडी ने मफिन से दुखी होकर कहा. हमारे पेड़ में एक पक्षी जरूर होना चाहिए."

फिर वुडी और मफिन समस्या के हल बारे में सोचने के लिए टहलने लगे.

"मैं एक पक्षी बना सकता हूँ," वुडी ने कहा.

"लेकिन वो पेड़ कभी भी असली नहीं होगा जब तक कि उसमें कोई असली पक्षी चहचहाए नहीं."

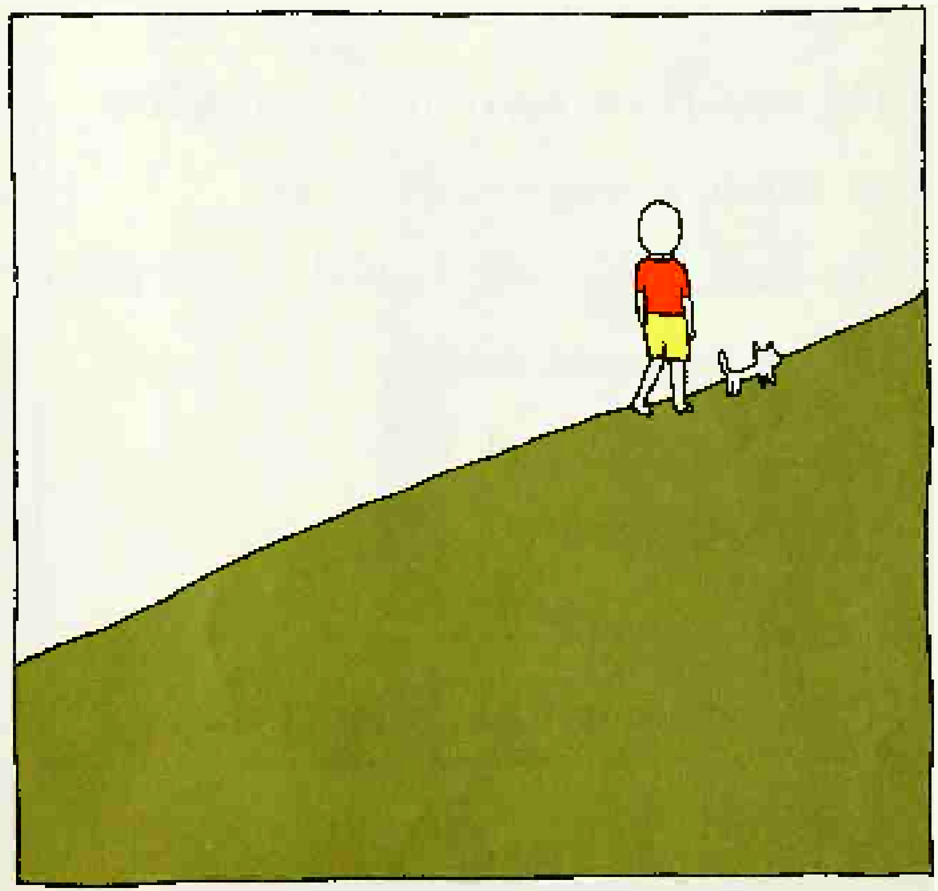

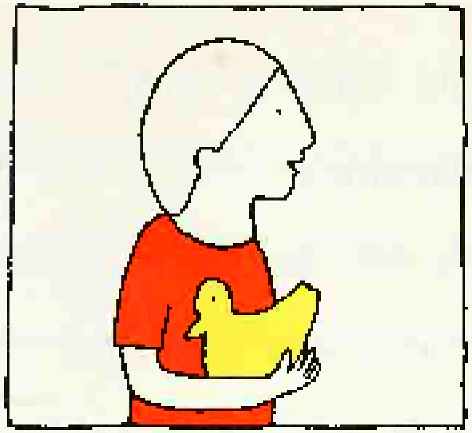

अंत में वुडी को एक विचार आया.

वो पेड़ पर एक खिलोने वाला पक्षी रखेगा जिससे वो एक असली पक्षी को आकर्षित कर सके.

वो घर गया और उसने अपने कमरे में इधर-उधर देखा, लेकिन उसे केवल एक लकड़ी की बत्तख ही मिली .

"इसी से काम चलाना होगा," उसने बत्तख की धूल झाड़ते हुए कहा.

फिर वो अपने पेड़ पर वापस गया.

जब वो वहां पहुंचा, तो उसने पेड़ की शाखाओं पर दो पक्षियों को बैठे हुए देखा.

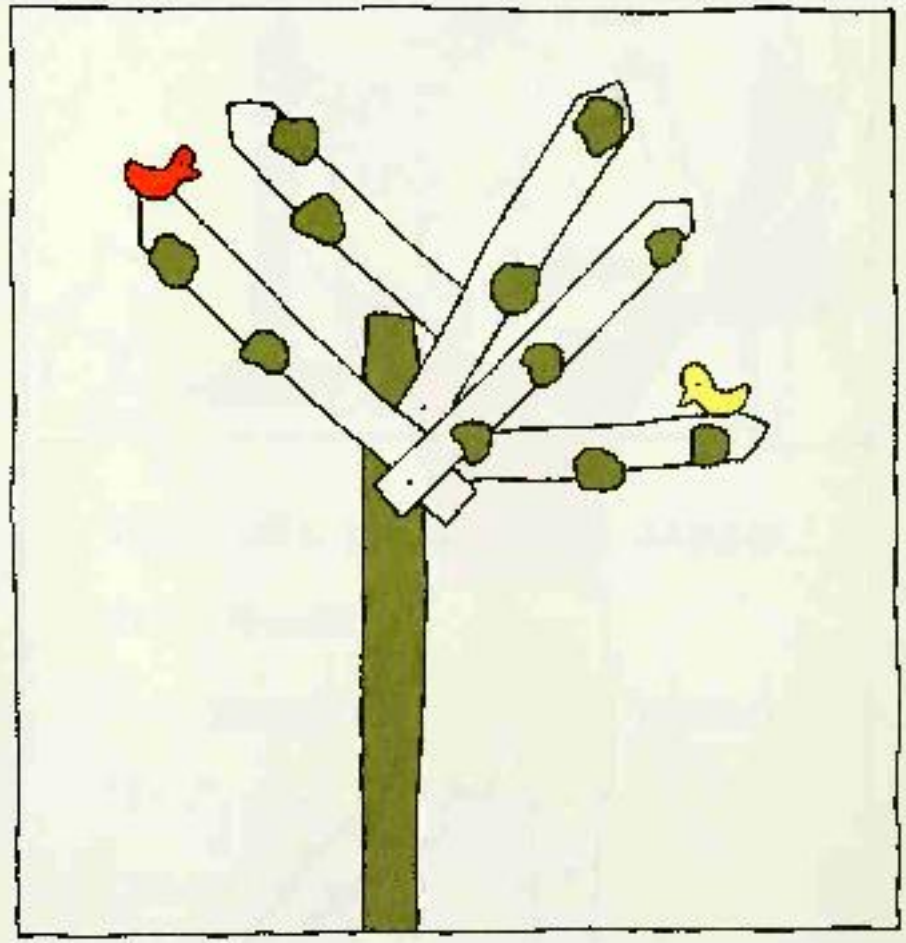

"देखो, मफिन!" वुडी ने कहा, "अब मेरे पेड़ में पक्षी गीत गाएंगे!"

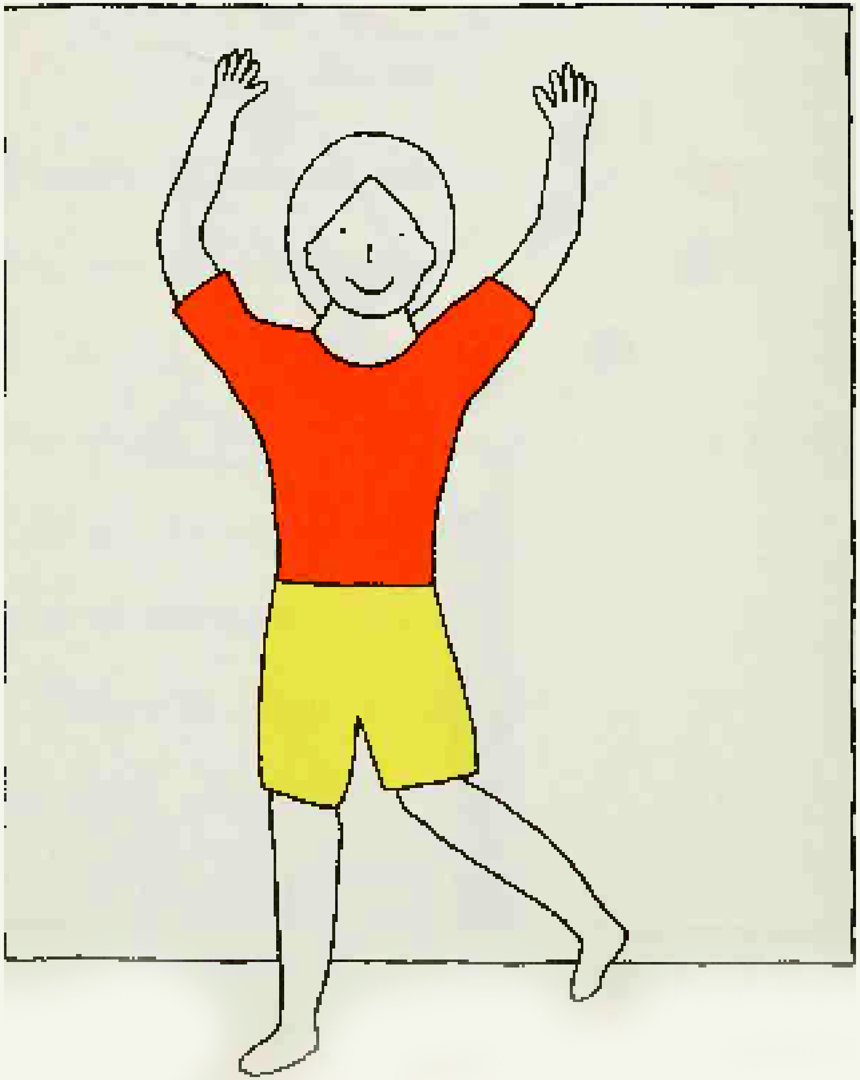

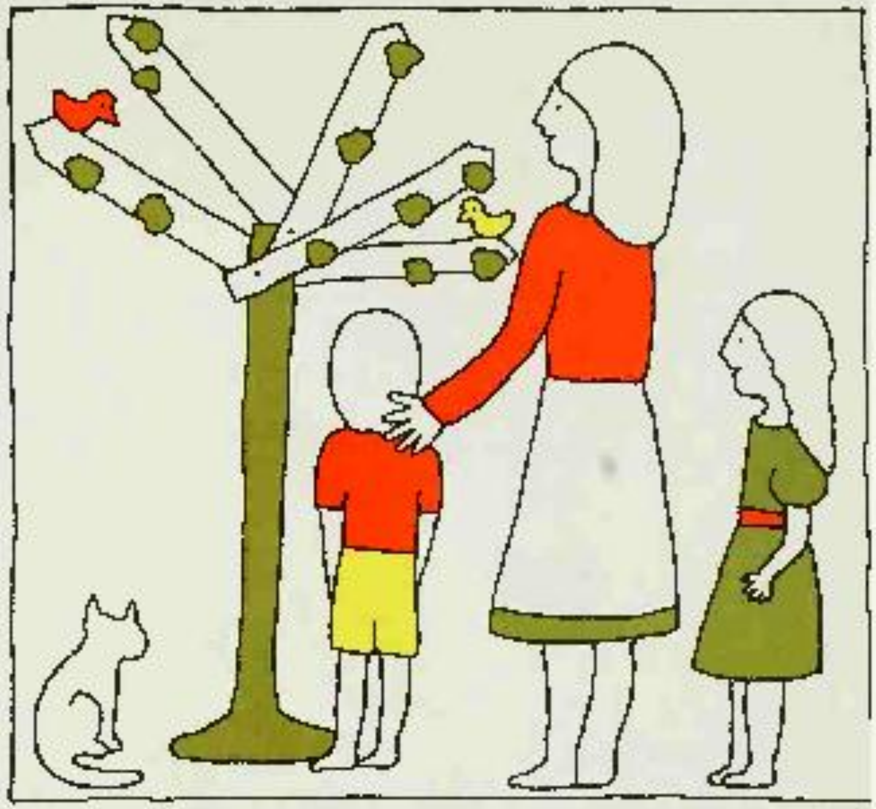

वुडी की मां बाहर आईं, और फिर वुडी की बहन भी.

"तुम्हारा पेड़ बहुत सुन्दर है!" माँ ने कहा.

"हाँ," उसकी बहन ने कहा. "अब यह एक असली पेड़ लग रहा है."

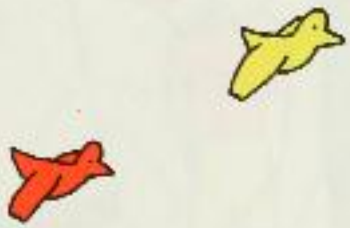

समाप्त